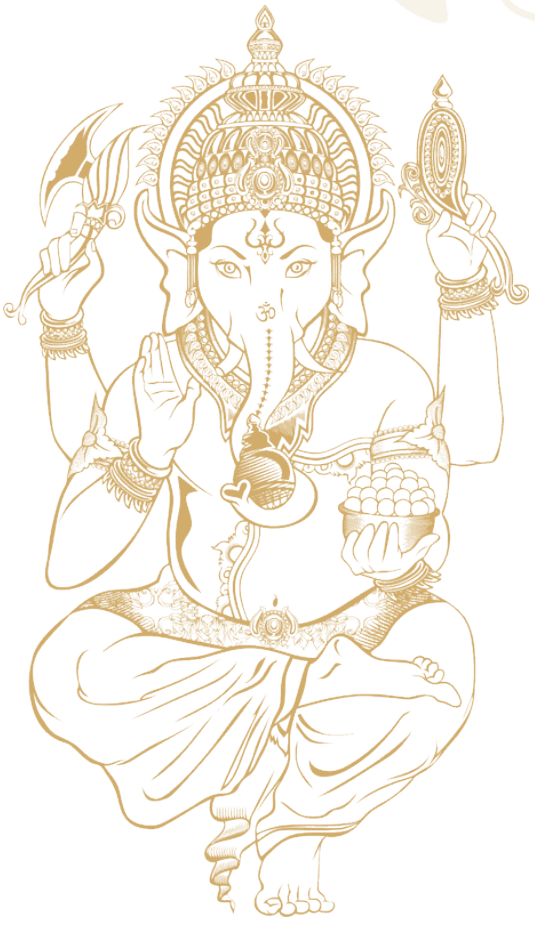

Mr.Raghav luthra

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120201814

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/02/1995	जन्म तिथि	14/03/1997
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:32:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 05:59:31	जन्म समय(घटी)	38:01:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Panipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:11	सूर्योदय	06:33:36
18:02:09	सूर्यास्त	18:29:35
23:47:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 4वर्ष 5मा 11दि		08:27:17	मीन	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि	
शुक्र		21:04:25	मक	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु	
17/07/2023		13:32:45	मीन	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010	
17/07/2043		02:13:35	सिंह व	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028	
शुक्र	16/11/2026	20:36:17	मक व	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
सूर्य	16/11/2027	17:01:33	वृश्चि	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
चन्द्र	17/07/2029	05:27:17	धनु	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
मंगल	16/09/2030	17:37:58	कुंभ	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
राहु	16/09/2033	15:38:23	तुला व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
गुरु	17/05/2036	15:38:23	मेष व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
शनि	17/07/2039	03:40:45	मक	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
बुध	17/05/2042	00:03:21	मक	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
केतु	17/07/2043	06:34:57	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

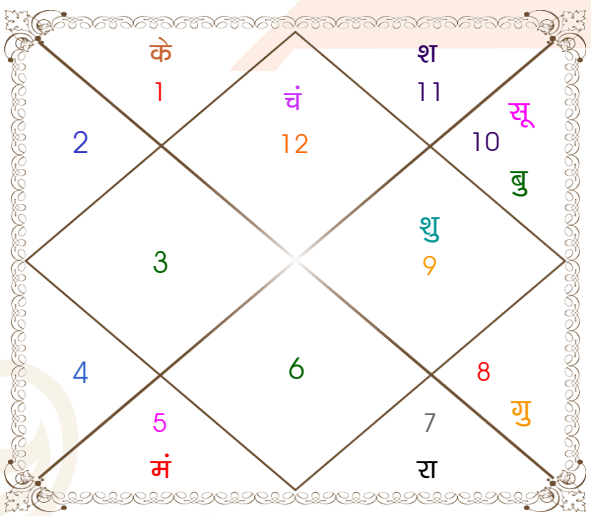

लग्न-चलित

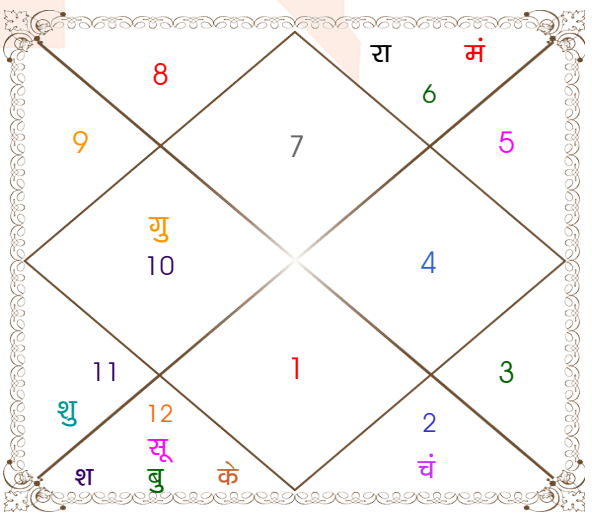

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr.Raghav luthra का वर्ग सिंह है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Raghav luthra और Ms.nirali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Raghav luthra मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr.Raghav luthra कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.Raghav luthra कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Raghav luthra तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।